

figit.

figit.

9. सीकर

Date _____ / _____ / _____

Page No.: _____

⇒ स्थापना :- राजा शिव सिंह द्वारा

- भौंसीसिंह शैखावत सीकर जिले के खाड़ी खानरियावास जांवकै थी।
→ ये राज० के पृथम उर्द्ध कांगड़ी मुख्यमंडी थी।
→ भौंसीसिंह शैखावत भारत के उपराष्ट्रपति भी बहुचुक्के हैं।
- राजस्थान के जांधी सीकर के गोकुल भाई भट्ट को कहा जाता है।
- देश की पहली महिला डॉफिसर स्नेहा शैखावत सीकर नी है।
- राज० का पृथम हाइटेक जिला।
- शैखावटी द्वीप में सीकर, दुक, झुंझनु जिले आते हैं।
- सीकर जिले के में ग्राम भारती विद्यापीठ ईरनैशनल स्पॉर्ट्स स्कूल स्थित है जो कि पहला अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय है।
- सीकर में ची-टी बिट्टी का सवारियिक भष्टार व सवारियिक उत्पादन होता है।
- देश में सवारियिक पाइराइट्स का उत्पादन सीकर में।
- सीकर में खवारियिक द्वीपफल पर मेथी बीई जाती है।
- और सरसवती पुस्तकालय सीकर जिले में है।
- सीकर में गणेश्वर सम्मत विचारित हुई जो ताज्घ गुणनि संस्कृतियों में सबसे प्राचीन है।
- सीकर के बलखेड़ा जांव में देश का सबसे बड़ा बजरी पालन फर्म है।
- सीकर के सरगाँठ जांव में पवन पुष्प औंविकु आवंला फार्म स्थित है जो देश का पहला पंजीकृत फल उद्यान है।
- सीकर में शुरी रेली बिट्टी का विस्तार है।
- फतेहपुर (सीकर) में राजस्थान का पृथम कलि अनुसंधान स्थित है।
इसी में उक्करी झगा को स्वालित मौसम केन्द्र खोला गया है।
- सीकर जिले की हर्ष पहाड़ियों में राजस्थान का द्वितीय पवन ऊर्जा संग्रह स्थित है।
- ईवासा नामक खारे पानी की झील सीकर में है।
- उत्तर भारत का पृथम कचरे से विजली पैदा करने वाला संग्रह सीकर में स्थित है।
- सीकर जिले की आमते अच्छी चन्द्राकार भाष्यालै नुमा है।
- शाकभूमि माता शारित पीठ सीकर में स्थित है।

- जीवभाता का मंदिर सीकर के रैवासा नामक स्थान पर है। इसे जग्मनी माता का मंदिर भी कहते हैं।
- खाड़ीश्याम जी मंदिर सीकर के खाड़ी नामक स्थान पर है।
- ⇒ गणेश्वर सम्प्रता :-
 → सीकर जिले में नीम का ग्राम तल्सील में कांतली नदी के तट पर गणेश्वर सम्प्रता का विकास हुआ।
 → इस सम्प्रता की ताम्रयुगीन सम्प्रता की जननी कहा जाता है।
 → यहाँ खुदाई में मध्यली पकड़ने का काटा बताव से बनी वस्तुएं प्राप्त हुई हैं।
- प्रीतमपुरी झील सीकर हैं।
- सीकर के रैवासा नामक स्थान पर राज्य का एक मात्र सहजीमाता मंदिर स्थित है।
- सीकर में फतेहपुर कुर्दि लक्ष्मणगढ़ कुर्दि स्थित है।
- शैखावटी क्षेत्र की हृदय स्थली रघुनागढ़ चौटी है।
- ⇒ गोदानृत्य :-
 → सीकर जिले में सबसे आधिकलौकिक प्रिय
 → महानृत्य होली का स्थापना से होली तक किया जाता है।
 → इस स्त्री और पुकाल दोनों ही करते हैं।
 → गोदानृत्य करने वाले गोदानिया व स्त्री की गङ्गाओंर कहाजताएँ सीकर में खण्डेला की पहाड़ियाँ व हर्षि की पहाड़िया विस्तृत हैं।
 → कांतली नदी का उद्गम स्थान सीकर की खण्डेला पहाड़ियों से है।